

नहीं है। कई बार आवक रिजाने पर भी सर्व
कारी व उनके वकील हाजिर नहीं है। अतः
एक करी अदम हाजरी व अदम पैसी में
स्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैंसलशुमार
होकर नम्बर से कम हो एवं बाद तकमील
दाखिल दफ्तर हो।

उप जिला क्लर्क
बंगपुर सिटी

16-3-2015 वाजदायरी सं० 31/12 उनकानी
गुला बुद्धीन बनाम चन्द्र वर्गेश आज स्वीकार
होने पर यह दावा पुनः नम्बर पर लिया गया।
दावा पत्रावली पुनः दर्ज की जावे। वकील वादी उप
है। वास्तु वदस पत्रावली दि० 13-3-2015 को
पेश हो।

13-3-15 पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/वकील-
उपस्थित है। श्रीमान P.O. साहब
बारे पर है। अवकाश पर है/का स्विकारण
हो गया है। अतः पत्रावली दि० 14-3-15
को पेश हो।

सिद्ध

14-3-15 वकील वादी उपस्थित है। वकील वादी
प्रकरण में वदस हेतु समय चाहते हैं। अतः वदस
हेतु पत्रावली दि० 17-3-2015 को पेश हो।

17-3-15 पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/वकील-
उपस्थित है। श्रीमान P.O. साहब
बारे पर है। अवकाश पर है/का स्विकारण
हो गया है। अतः पत्रावली दि० 20-3-15
को पेश हो।

सिद्ध

20-3-2015 वकील वादी उपस्थित है। वकील वादी ने
नवीन दावा पेश करने की अनुमति सहित यह दावा
विद्वान् करने की अनुमति हेतु प्राप्ता पेश किया है।
वकील वादी को सुना गया। प्रस्तुत वाद का अवलोकन किया
गया। प्राप्ता स्वीकार किया जाता है। नवीन दावा पेश
करने की अनुमति के साथ ही यह दावा विद्वान् करने की
अनुमति दी जाती है। पत्रावली फैंसलशुमार होकर नम्बर
से कम हो एवं बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

उप जिला क्लर्क
बंगपुर सिटी